SET-3

Series JMS/4

कोड नं.
Code No. **3/4/3**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम अ)

(Course A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे — *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours — *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में **चार** खण्ड हैं – क, ख, ग और घ ।*

(ii) *चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।*

www.readaxis.com

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 20 – 25 शब्दों में) लिखिए :

आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक उपलब्धियों के शोर में प्राचीन और पारंपरिक ज्ञान-पद्धतियों को लगभग भुला दिया गया है । उनमें से कुछेक की याद तब आती है, जब कोई बड़ा वैज्ञानिक तथ्य किसी लोक-परंपरा से जा जुड़ता है । हमारे देश में अब भी अनेक स्थानों पर प्राचीन ज्ञान-परंपराएँ विद्यमान हैं, जिन्हें लोक ने सहेज रखा है ।

भारत में कई ऐसे गाँव हैं, जहाँ हज़ारों वर्षों तक ज्ञान-परंपराएँ फलती-फूलती रही हैं । आज भी उन्हें ज्ञान-परंपरा होने की मान्यता तक प्राप्त नहीं है । लेकिन अगर आप उस समाज के अवचेतन में गहरे उतरने की क्षमता रखते हैं, तो यह समझने में देर नहीं लगेगी कि ज्ञान-परंपराएँ मरती नहीं हैं । कालक्रम में उन पर धूल की परतें ज़रूर जम जाती हैं और उनका स्थानांतरण चेतन से अवचेतन में हो जाता है । वहाँ के लोग उन ज्ञान-परंपराओं से जुड़े होते हैं । उनके दैनिक जीवन, पर्व-त्योहार और शादी-ब्याह के विधि-विधानों, रीति-रिवाजों में उन ज्ञान-परंपराओं की उपस्थिति मिल जाएगी ।

बिहार के मिथिला में ऐसे कई गाँव हैं, जहाँ न्याय और मीमांसा की परंपराएँ अब भी जीवित हैं । इनकी शास्त्रीय परंपराएँ तो फलती-फूलती रहीं, लेकिन लौकिक परंपराओं का कोई सटीक अध्ययन नहीं हुआ । फिर भी लौकिक परंपराओं के अध्ययन से लगता है कि यह पूरी जीवन प्रणाली थी । मिथिला क्षेत्र के कई गाँवों में न्याय और मीमांसा के बड़े विद्वान हुए हैं । शायद उनका होना ही इस बात का प्रमाण है कि इन गाँवों के अवचेतन में इन परंपराओं का वास होगा ।

ज्ञान-परंपरा से जुड़ी एक ऐसी ही जगह है पटना के पास खगौल शहर के निकट का एक गाँव तारेगना । पाँचवीं शताब्दी में इस जगह का नाम कुसुमपुर से खगौल उस समय हो गया जब आर्यभट्ट ने इसे अपना कार्यक्षेत्र बनाया । जिस गाँव में रहकर आर्यभट्ट ने आकाश में ग्रह-नक्षत्र और तारों की स्थिति का अध्ययन किया था, उसका नाम तारेगना पड़ गया । एकाएक जुलाई, 2009 में तारेगना के बारे में दुनिया को तब पता चला, जब नासा ने घोषणा की कि इस जगह से उस बार के पूर्ण सूर्यग्रहण को देखना संभव हो पाएगा । ख़ास बात है कि आज भी खगौल में आर्यभट्ट का जन्मदिन मनाने की परंपरा है और उनसे जुड़ी अनेक कहानियाँ हैं ।

(क) आप कैसे कह सकते हैं कि जनमानस आज भी ज्ञान-परंपराओं से जुड़ा है ? 2

(ख) 'न्याय और मीमांसा की परंपराएँ अब भी जीवित हैं' – इस तथ्य की पुष्टि के लिए लेखक ने क्या तर्क दिए हैं ? 2

(ग) पूरी दुनिया में 'तारेगना' की पहचान क्यों और कैसे बनी ? 2

www.readaxis.com

(घ) लोगों द्वारा सहेज कर रखी गई पारंपरिक ज्ञान-पद्धतियों की ओर ध्यान कब आकर्षित होता है ? *1*

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए । *1*

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 20 – 25 शब्दों में) लिखिए :

दो घड़ी क़दम अपने रोको, बढ़ चले हो तुम अँधेरों को ।
न रुके अगर तो तरसोगे, नवजीवन के पग फेरों को ।
दुख के बिन सुख कैसा, सोचो बिन धूप कहाँ फिर छाँव, कहो ।
बिन मृत्यु भला कैसा, जीवन कैसा बिन मिट्टी गाँव कहो ।
गंगा को तुमने विष दे देकर मार दिया, कुछ और बढ़े ।
तुमने अपने बल से नदियों को बाँध दिया, कुछ और बढ़े ।
तुम और बढ़े, जब तुमने हिमखंडों को तक पिघला डाला ।
तुम और बढ़े, जब तुमने खेतों की मिट्टी को दूषित कर डाला ।
तुम बचा सके न नदियों को, जो कल तक कल-कल बहती थीं ।
तुम बचा सके न चिड़ियों को, जो आँगन रोज चहकती थीं ।
तुम हो विज्ञान के प्रतिनिधि, तुम अपने यश का गान करो ।
मैं तुम्हें चुनौती देता हूँ तुम यह एक काम महान करो ।
रच लो अपनी ही धरा एक, अपने विज्ञानी हाथों से ।
प्रकृति नहीं जीती जाती, ऐसी अभिमानी बातों से ।

(क) कवि का संकेत किन अँधेरों की तरफ है और वह मनुष्य को अँधेरों की तरफ बढ़ने से क्यों रोक रहा है ? *2*

(ख) प्रगति के नाम पर मानव ने प्रकृति से क्या छेड़छाड़ की है ? *2*

(ग) कवि क्या चेतावनी दे रहा है ? *1*

(घ) 'विज्ञान के प्रतिनिधि' कहकर कवि ने क्या व्यंग्य किया है ? *1*

(ङ) घमंडी मानव सोचता है कि मैंने प्रकृति को मुट्ठी में कर लिया है लेकिन यह उसकी भूल है – यह भाव कविता की किन पंक्तियों में आया है ? *1*

अथवा

www.readaxis.com

लहरों में हलचल होती है....

कहीं न ऐसी आँधी आए
जिससे दिवस रात हो जाए
यही सोचकर चकवी बैठी तट पर निज धीरज खोती है ।
लहरों में हलचल होती है....

लो, वह आई आँधी काली
तम-पथ पर भटकाने वाली
अभी गा रही थी जो कलिका पड़ी भूमि पर वो सोती है ।
लहरों में हलचल होती है....

चक्र-सदृश भीषण भँवरों में
औ’ पर्वताकार लहरों में
एकाकी नाविक की नौका अब अंतिम चक्कर लेती है ।
लहरों में हलचल होती है....

(क) चकवी तट पर बैठकर अपना धैर्य क्यों खो रही है ? *2*

(ख) लहरों में हलचल होने का क्या तात्पर्य है ? *2*

(ग) कोमल कली बेसुध होकर धरती पर क्यों पड़ी है ? *1*

(घ) भीषण भँवरों और पर्वताकार लहरों से क्या अभिप्राय है ? *1*

(ङ) ऐसा क्या हो कि एकाकी नाविक की नौका का यह अंतिम चक्कर न हो ? *1*

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से ***किन्हीं तीन*** का निर्देशानुसार उत्तर लिखिए : *1×3=3*

(क) एक चश्मेवाला है जिसका नाम कैप्टन है । (सरल वाक्य में बदलिए)

(ख) कहा जा चुका है कि मूर्ति संगमरमर की थी ।
(आश्रित उपवाक्य छाँटकर भेद भी लिखिए)

(ग) मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बना छोटा-सा चश्मा रखा हुआ था ।
(मिश्र वाक्य में बदलिए)

(घ) हालदार साहब का प्रश्न सुनकर वह आँखों ही आँखों में हँसा ।
(संयुक्त वाक्य में बदलिए)

www.readaxis.com

4. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य बदलिए : *1×4=4*

(क) गाँव की स्त्रियाँ बहू को चुप कराने की कोशिश कर रही हैं । (कर्मवाच्य में)

(ख) भगत की संगीत साधना का चरम उत्कर्ष देखा गया । (कर्तृवाच्य में)

(ग) नवाब साहब ने खीरे को धोकर पोंछ लिया । (कर्मवाच्य में)

(घ) हम लोग क्लास छोड़कर बाहर नहीं आ सके । (भाववाच्य में)

(ङ) भारत रत्न हमको शहनाई पर दिया गया है, लुंगी पर नहीं । (कर्तृवाच्य में)

5. रेखांकित पदों में से ***किन्हीं चार*** पदों का पद-परिचय लिखिए : *1×4=4*

सुलोचना की नई फ़िल्म आई और वे चले फ़िल्म देखने ।

6. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(क) स्थायी भाव से आप क्या समझते हैं ?

(ख) हास्य रस का एक उदाहरण लिखिए ।

(ग) वत्सल रस का स्थायी भाव क्या है ?

(घ) निम्नलिखित पंक्तियों में से रस पहचान कर लिखिए :

जिसके अरुण-कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में ।
अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में ।
उसकी स्मृति पाथेय बनी है थके पथिक की पंथा की ।

(ङ) क्रोध किस रस का स्थायी भाव है ?

खण्ड ग

7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

यह क्या है – यह कौन है ! यह पूछना न पड़ेगा । बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं । उनकी अँगुली एक-एक धान के पौधे को, पंक्तिबद्ध, खेत में बिठा रही है । उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर ! बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं; मेंड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं, वे गुनगुनाते लगती हैं; हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं; रोपनी करने वालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगती हैं ! बालगोबिन भगत का यह संगीत है या जादू !

(क) बालगोबिन अपने खेत में किसकी रोपनी कर रहे हैं ? *1*

(ख) "उनका कंठ एक-एक शब्द .... कानों की ओर !" – पूरे वाक्य का आशय स्पष्ट कीजिए । *2*

(ग) बालगोबिन भगत के संगीत को जादू क्यों कहा गया है ? *2*

www.readaxis.com

8. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : *2×4=8*

(क) सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टेन क्यों कहते थे ?

(ख) बालगोबिन भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेला क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी ?

(ग) 'लखनवी अंदाज़' को रोचक कहानी बनाने वाली कोई दो बातें लिखिए ।

(घ) फादर कामिल बुल्के की माँ ने बचपन में ही यह घोषणा क्यों की – "यह लड़का हाथ से गया" ?

(ङ) बिस्मिल्ला खाँ को मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है ?

9. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

कौसिक सुनहु मंद येहु बालक । कुटिलु काल बस निज कुल घालकु ।।
भानुबंस राकेस कलंकू । निपट निरंकुसु अबुधु असंकू ।।
कालकवलु होइहि छन माहीं । कहौं पुकारि खोरि मोहि नाहीं ।।
तुम्ह हटकहु जौ चहहु उबारा । कहि प्रतापु बलु रोषु हमारा ।।
लखन कहेउ मुनि सुजसु तुम्हारा । तुम्हहि अछत को बरनै पारा ।।
अपने मुहु तुम्ह आपनि करनी । बार अनेक भाँति बहु बरनी ।।
नहिं संतोषु त पुनि कछु कहहू । जनि रिस रोकि दुसह दुख सहहू ।।
बीरब्रती तुम्ह धीर अछोभा । गारी देत न पावहु सोभा ।।

(क) 'मंद येहु बालक' किसे कहा गया है और क्यों ? *2*

(ख) लक्ष्मण ने परशुराम को क्या कहकर उकसा दिया था ? *2*

(ग) परशुराम ने विश्वामित्र से क्या आग्रह किया ? *1*

10. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : *2×4=8*

(क) 'निराला' बादल से रिमझिम बरसने के लिए नहीं गरजकर बरसने के लिए कहते हैं, ऐसा क्यों ?

(ख) लक्ष्मण के किन तर्कों ने परशुराम के क्रोध की आग को भड़काया ?

(ग) गोपियाँ कृष्ण को हारिल की लकड़ी क्यों मानती हैं ?

(घ) 'छाया मत छूना' कविता में यथार्थ के पूजन की बात क्यों कही गई है ?

(ङ) 'संगतकार' की भूमिका क्या होती है ? टिप्पणी कीजिए ।

11. "जॉर्ज पंचम की नाक में मूर्तिकार शासनतंत्र को मूर्ख बनाकर लाभ कमा रहा है ।" तर्क सहित पुष्टि कीजिए । *4*

अथवा

ऐसा क्यों होता है कि विपत्ति के समय बच्चा पिता के पास न जाकर माँ की शरण लेता है ? सोदाहरण समझाइए ।

www.readaxis.com

खण्ड घ

12. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए : *10*

(क) धरती कहे पुकार के....

- सहनशील धरती
- सांप्रदायिकता से मुक्ति
- खुशहाल वातावरण-पर्यावरण

(ख) त्योहार बनाम बाज़ारवाद

- तात्पर्य
- त्योहारों का वास्तविक स्वरूप
- बाज़ार का प्रभाव

(ग) क्रिकेट मैच का आँखों देखा वर्णन

- कहाँ, कैसे, कब
- आनंददायक
- परिणाम

13. हाल ही में आपने पढ़ाई में किसी बच्ची की मदद की थी । वह बच्ची परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हो गई । अपने इस सुखद अहसास को पत्र लिखकर अपने मित्र को बताइए । *5*

अथवा

आजकल खाद्य पदार्थों में रासायनिक रंग, दवाइयाँ, मिलावट आदि का भरपूर प्रयोग किया जा रहा है । इन हानिकारक पदार्थों से मुक्त खाद्यों की अधिक उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य आपूर्ति मंत्री को पत्र लिखिए ।

14. डेंगू से बचने के लिए एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 20-25 शब्दों में तैयार कीजिए । *5*

अथवा

जैविक पदार्थों के कूड़े से आपने ऐसा रसायन तैयार किया है जिसका उपयोग घरेलू साफ़-सफ़ाई में काम आने वाले जहरीले रसायनों के स्थान पर हो सकता है । इसके प्रचार और बिक्री के लिए लगभग 20-25 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए ।

www.readaxis.com